श्री कलराज मिश्र

मानननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति,
राजस्थान का उद्बोधन

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर द्वारा आयोजित

'कोविड–19 के संकट के दौरान भारत निर्माण में पत्रकारिता की भूमिका'

दिनांक 26 मई, 2020 **समय दोपहर : 01.00 बजे**

स्थान : राजभवन, जयपुर

कोविड–19 के संकट के दौरान भारत निर्माण में पत्रकारिता की भूमिका विषय पर आयोजित इस ऑन लाइन सेमीनार में उपस्थित प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री माननीय श्री भंवर सिंह भाटी जी, श्री हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति श्री ओम थानवी जी, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलपति श्री आर.पी.सिंह जी, उपस्थित प्राध्यापकगण,छात्र–छात्राओ, भाइयो और बहिनो।

भारत में पत्रकारिता की आधारशिला रखने का श्रेय महर्षि नारद को जाता हैं। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण में पत्रकारिता की बड़ी भूमिका रही हैं। सीमा पर भारतीय सेना की अदम्य रणकौशल की कहानी हो या विभाजन के परिणामतः शोक में डूबी मानवता की सिसकियां, इन सभी मामलों को पत्रकारिता ने जन–जन

तक मूर्त स्वरूप में पहुँचाया है। सच बोलने के लिए साहसी ओर निर्भीक होना जरूरी होता है।

साहसी होने के लिए मानव में आत्मबल के साथ ईमानदारी के गुण का होना आवश्यक है। पत्रकारिता की अन्तः प्रज्ञा का यही गुण भारतीय लोकतंत्र की स्थिरता के कारको में प्रमुख अवयव है।

राजा राममोहन राय की लेखनी से निकले संवाद कौमुदी ने भारतीय समाज को समाज सुधार की राह दिखलाई, वहीं महात्मा गांधी की निडर कलम ने इंडियन ओपिनियन और यंग इंडिया के जरिए अंग्रेजी शासन की निर्वाध और निरंकुश बहती नदी पर बांध बनाने का सफल प्रयोग किया। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भी मूक नायक तथा बहिष्कृत भारत के जरिए दलित और शोषितों की आवाज को बुलंद किया।

आज पूरा विश्व कोविड़–19 महामारी के भीषण दौर से गुजर रहा है। मानवता और वायरस का ऐसा संघर्ष हमने शायद ही कभी देखा और सुना होगा।

घरों से लेकर शमशान तक मानव अकेला भयग्रस्त होकर जीवन की राहों में चल रहा है। ऐसे समय में कुछ मानव, देवदूत बनकर मानव जाति की कठिनाइयों को दूर करने आगे आये है।

आमजन तक इस वैश्विक बीमारी के बारे मे सटीक और सही सूचनाएं पहुँचाने और बीमारी से पीड़ित मानव के दुःख की आवाज बनकर शासन तक पहुँचाने में पत्रकारिता अहम भूमिका निभा रही है।

वायरस की इस जंग में प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्यकर्मी, सफाईकर्मियों के साथ मीडियाकर्मियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही। समाचार पत्रों और इलेक्ट्रानिक मीडिया के सवांददाताओं, कैमरामैन और छायाकारों ने कोरोना से लडने

में पीठ नही दिखाई और लोगों को जागरूक करने में भरसक प्रयास किये।

मीडियाकर्मियों ने इस संकट काल में आमजन तक विश्वसनीय सूचनाएं पहुँचाकर समाज मे पनपने वाली अफवाहों को रोका है। कोविड़—19 के संक्रमण काल में बीमारी से बचाव, उपचार और विशेषज्ञ सलाहों को मीडिया के जरिए घर—घर तक पहुंचाने में पत्रकारों ने, जो भूमिका निभाई है, वह प्रशंसनीय है।

कोविड—19 के संक्रमण काल में वायरस से सीधा सामना कर रहे हमारे कोरोना वॉरियर्स चिकित्सक, पुलिस, प्रशासन और सफाईकर्मियों का पत्रकारिता के द्वारा किये गये उत्साहवर्धन से कोरोना से लड़ने में उनका विश्वास और आत्मबल मजबूत हुआ है।

कोविड़–19 संक्रमण के सटीक आंकड़े और सरकार द्वारा समय–समय पर जारी किए निर्देशो को जनता तक पहुँचाकर मीडिया ने जनता के जीवन को सुरक्षित और सयंमित बनाने में महती भूमिका निभाई है।

बीमारी के संक्रमण काल में श्रमिकों का पलायन और विस्थापन से जुड़ा दर्द असहनीय है। पलायन के दौरान भूखे–प्यासे मजदूर, सैकड़ों हजारों किलोमीटर पैदल चलने की व्यथा और राहो में चलने से पैरों में पड़े छालो का दर्द मीडिया ने सरकार तक पहुँचाकर श्रमिकों के सच्चे हमराह की भूमिका भी निभाई है।

इस वैश्विक महामारी से मानव सभ्यता को बचाने में मीडिया के भागीरथी प्रयासो के लिए समाज आभारी रहेगा। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस वेबीनार के लिए कुलपति और उनकी टीम को मैं साधुवाद देता हूँ।

धन्यवाद। जयहिन्द।